



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 273]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 19, 2009/श्रावण 28, 1931

नं० 273]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 19, 2009/SRAVANA 28, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 2009

जांच शुरुआत

विषय : चीन जन. गण. तथा जापान के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित 1,1,1,2-टेट्राफ्लोरो ईथेन अथवा सभी प्रकार के आर-134ए के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत ।

सं. 14/24/2009-डीजीएडी.—यतः, मैसर्स एस आर एफ लि. गुडगांव (जिन्हें एतद्वशात् आवेदक कहा गया है) ने 1995 में यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतद्वशात् अधिनियम कहा गया है) एवं सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिसे एतद्वशात् नियमावली कहा गया है) के अनुसरण में चीन. जन.गण. तथा जापान के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित 1,1,1,2-टेट्राफ्लोरो ईथेन अथवा सभी प्रकार के आर-134ए (जिन्हें एतद्वशात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतद्वशात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया है और संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्कों के अधिरोपण हेतु पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया है ।

1. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान जांच के अंतर्गत विचाराधीन उत्पाद 1, 1, 1, 2-टेट्राफ्लोरो ईथेन अथवा सभी किस्मों के आर-134ए हैं । यह एक अक्रिय गैस है, जिसे घरेलू प्रशीतन एवं आटोमोबाइल वातानुकूलन यंत्रों में मुख्यतः उच्च तापमान प्रशीतक के रूप में प्रयुक्त किया जाता है। आर-134ए को टेट्राफ्लोरो ईथेन, जेनेट्रॉन 134ए, अथवा एच एफ सी-134ए, एच एफ ए-134ए, अथवा नॉरफ्लूरेन भी कहा जाता है। यह एक हेलोअल्केन प्रशीतक है जिसके थर्मोडायनेमिक गुणधर्म आर-12 (डाई क्लोरो डाई फ्लोरो मीथेन) के समान होते हैं, परंतु ओजोन डिप्लीशन संभावना नहीं होती । इसका रासायनिक सूत्र CH_2FCF_3 है और क्वथनांक $-26.3^{\circ}C$ ($-15.34^{\circ}F$) होता है ।

आर-134ए एक अक्रिय गैस है, जिसे घरेलू प्रशीतन एवं आटोमोबाइल वातानुकूलन यंत्रों में मुख्यतः उच्च तापमान प्रशीतक के रूप में प्रयुक्त किया जाता है। इसके अन्य उपयोग क्लीनिंग सॉल्वेंट के रूप में प्लास्टिक फोम ब्लोइंग, और भेषजों (उदाहरणार्थ ब्रोंकोडायलेटर) की डिलीवरी तथा गैस डस्टर्स में प्रोपेलेंट के रूप में तथा एयर ड्रायरों में सम्पीडित वायु से नमी हटाने के लिए किया जाता है । संबद्ध वस्तुओं का आयात सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत "अन्य फ्लोरीनेटेड व्युत्पन्न" भारतीय व्यापार वर्गीकरण (सुमेलीकृत वस्तु विवरण एवं कोडिंग पद्धति पर आधारित) उप-शीर्ष 2903 के अंतर्गत "हाइड्रोकार्बन्स के हेलोजन-युक्त

व्युत्पन्न", उपशीर्ष 29033919 के अंतर्गत किया जा रहा है। तथापि याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि विचाराधीन उत्पाद का कोई विशिष्ट सीमाशुल्क वर्गीकरण कोड नहीं है और इनका आयात अन्य अनेक सीमाशुल्क उपशीर्षों के अंतर्गत किया जा रहा है। तथापि यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक हैं और इस जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

2. घरेलू उद्योग की स्थिति

यह आवेदन मेसर्स एस आर एफ लिमिटेड, गुडगांव द्वारा प्रस्तुत किया गया है। उत्पादक ने भारत में इस उत्पाद का एकमात्र उत्पादक होने का दावा किया है। उपलब्ध सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय उत्पादन में आवेदक कंपनी का प्रमुख हिस्सा है। अतः प्राधिकारी यह निर्धारण करते हैं कि आवेदक, नियम 2 के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है और आवेदन उपर्युक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार स्थिति संबंधी मानदण्ड को पूरा करता है।

3. शामिल देश

वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जनवादी गणराज्य और जापान हैं।

4. समान वस्तु

आवेदक ने दावा किया है कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुओं और चीन जन गण एवं जापान से निर्यातित वस्तुओं के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। दोनों उत्पादों की विशेषताएं भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण आदि जैसे मानदण्डों के अनुसार तुलनीय हैं। उत्पाद के अनिवार्य गुणधर्मों के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं चीन, जन. गण. और जापान से आयातित वस्तुओं से तुलनीय हैं। घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत वस्तुएं चीन, जन. गण और जापान से आयातित वस्तुओं के समान वस्तुएं हैं।

5. सामान्य मूल्य

नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 के अनुसार यह माना गया है कि चीन, जन. गण. में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के अंतर्गत प्रचालित हैं। गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की उपर्युक्त अवधारणा के मद्देनजर और प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा इसके खण्डन के अध्याधीन चीन, जन. गण. में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य का अनुमान नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार लगाया गया है। तथापि प्राधिकारी उपर्युक्त निर्धारण के प्रयोजनार्थ किसी समुचित तीसरे देश का चयन कर सकते हैं और कार्रवाई के दौरान हितबद्ध पक्षकारों को इसकी सूचना दे सकते हैं।

तथापि जापान के मामले में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य का अनुमान बिक्री सहित उत्पादन लागत, सामान्य, प्रशासनिक एवं वित्तीय व्यय तथा समुचित लाभ के सर्वोत्तम अनुमानों के आधार पर लगाया गया है।

6. निर्यात कीमत

संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत का अनुमान गौण स्रोतों से एकत्र सौदेवार आयात आंकड़ों पर विचार करके लगाया गया है। कारखाना-द्वार निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए समुद्री मालभाड़े, समुद्री बीमे, कमीशन तथा निर्यातक देश के पत्तन व्यय के संबंध में समायोजन किए गए हैं।

7. पाटन मार्जिन

कारखाना-द्वार स्तर पर सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत की तुलना की गई है, जो संबद्ध देशों के संबंध में अत्यधिक पाटन मार्जिन दर्शाती है। इस बात का प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य है कि चीन जन गण और जापान में संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य कारखाना-द्वार निर्यात कीमत से काफी अधिक है, जो प्रथम दृष्ट्या यह दर्शाता है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं का भारतीय बाजार में पाटन किया जा रहा है। पाटन मार्जिन, न्यूनतम से अधिक होने का अनुमान है।

8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

आवेदक ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा एवं मूल्य तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति संबंधी विभिन्न मानदण्डों से संबंधित सूचना प्रस्तुत की है, जिसके विश्लेषण से ज्ञात होता है कि चीन, जन. गण. से हुए आयातों में निरपेक्ष रूप से भारत में उत्पादन तथा खपत के सापेक्ष अत्यधिक वृद्धि हुई है, जबकि जापान से किए गए आयातों में मामूली गिरावट आई है। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न आर्थिक मानदण्डों से ज्ञात होता है कि क्षति की अवधि के दौरान घाटे में निरपेक्ष रूप से वृद्धि हुई है और निवेश से आय तथा नकद प्रवाह में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है। यद्यपि उत्पादन, बिक्री तथा क्षमता उपयोग में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई, तथापि इनका स्तर बहुत ही कम रहा है जो प्रथम दृष्ट्या पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति का द्योतक है।

9. पाटनरोधी जांच की शुरुआत

उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन, घरेलू उद्योग को हुई क्षति और पाटन व क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद हैं, अतः प्राधिकारी कथित पाटन की मौजूदगी, सीमा तथा प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की वह राशि संस्तुत करने, जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी, पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन की जांच एतद्वारा शुरू करते हैं।

10. जांच अवधि (पी ओ आई)

वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 1 अप्रैल 2008 से 31 मार्च, 2009 (12 माह) है। तथापि क्षति की जांच की अवधि में 2007-08 तथा जांच अवधि शामिल होगी, क्योंकि आवेदक ने वाणिज्यिक उत्पादन वर्ष 2007-08 में ही शुरू किया था।

11. सूचना प्रस्तुत करना

संबद्ध देश के निर्यातकों और भारत में उनके दूतावासों के जरिए उनकी सरकार, भारत में संबद्ध समझे जाने वाले आयातकों और प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को अलग से सूचित किया जा रहा है ताकि वे निर्धारित विधि और पद्धति से संगत सूचना निम्नलिखित पते पर प्रस्तुत कर सकें:-

निर्दिष्ट प्राधिकारी
पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग
कमरा सं० 250 ए
उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011

कोई अन्य इच्छुक पार्टी भी जांच संबंधी अपना अनुरोध निर्धारित समय-सीमा के भीतर निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से कर सकती है ।

12. समय-सीमा

वर्तमान जांच से संबंधित कोई सूचना लिखित में भेजी जाए जो प्राधिकारी के पास उपर्युक्त पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों (40 दिन) से पूर्व पहुँच जानी चाहिए । तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है, उन्हें सम्बोधित पत्र की तारीख से चालीस (40) दिनों के भीतर सूचना देनी होगी । यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है या प्राप्त हुई सूचना अधूरी है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उपरोक्त नियमों के अनुसार रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं । यह नोट किया जाए कि निर्धारित समय-सीमा के विस्तार के संबंध में प्राप्त किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा ।

13. अगोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

नियम 6(7) के अनुसार इच्छुक पार्टियों के लिए प्राधिकारी को उपलब्ध कराई गई किसी गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करना अपेक्षित है और यदि ऐसी सूचना प्रदान करने वाली पार्टी की राय में ऐसी सूचना का सारांश प्रस्तुत करना संभव नहीं है तो उसके कारण दर्शाने वाला एक विवरण प्रस्तुत करना अपेक्षित है ।

यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है अथवा उचित अवधि के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं

14. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

नियम 6(7) के अनुसार कोई भी निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा एक सार्वजनिक फाइल रखी जाती है। कोई भी हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतर वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th August, 2009

INITIATION INVESTIGATION

Subject : Initiation of anti-dumping investigation concerning imports of 1,1,1,2-Tetrafluoroethane or R-134a of all types originating in or exported from China PR and Japan.

No. 14/24/2009-DGAD.—Whereas M/s SRF Ltd, Gurgaon (hereinafter referred to as applicants) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as the Rules), alleging dumping of 1,1,1,2-Tetrafluoroethane or R-134a of all types (herein after referred to as subject goods) originating in or exported from China PR and Japan (hereinafter referred to as "subject country") and requested for initiation of Anti Dumping investigation for levy of anti dumping duties on the subject goods.

1. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

The product under consideration in the present investigation is 1,1,1,2-Tetrafluoroethane or R-134a of all types. It is an inert gas used primarily as a high temperature refrigerant for domestic refrigeration and automobile airconditioners. R-134a, is also called as Tetrafluoroethane, Genetron 134a, Suva 134a or HFC-134a, HFA-134a, and Norflurane. It is a haloalkane refrigerant with thermodynamic properties similar to R-12 (dichlorodifluoromethane), but without its ozone depletion potential. It has the chemical formula CH_2FCF_3 , and a boiling point of -26.3°C (-15.34°F).

R-134a is an inert gas used primarily as a "high-temperature" refrigerant for domestic refrigeration and automobile air conditioners. Other uses include plastic foam blowing, as a cleaning solvent and as a propellant for the delivery of pharmaceuticals (e.g. bronchodilators), gas dusters, and in air driers, for removing the moisture from compressed air. The subject goods are being imported under Chapter 29 of the Customs Tariff Act under subheading 2903 under "Halogenated Derivatives of Hydrocarbons", under subheading 29033919 as "Other Fluorinated Derivatives", under the Indian Trade Classification (based on Harmonized Commodity Description and Coding System). The petitioner has, however claimed that the product under consideration does not have any dedicated customs classification code and are being imported under various other Customs sub-headings. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.

3006 GT/09-2

2. DOMESTIC INDUSTRY STANDING

The application has been filed by M/s. SRF Ltd., Gurgaon. The producer has claimed to be the sole producer of the product in India. On the basis of information available the Authority notes that the applicant company constitutes a major proportion in Indian production. The Authority, therefore, determines that the applicant constitutes domestic Industry within the meaning of the Rule 2 and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

3. COUNTRY INVOLVED

The countries involved in the present investigation are People's Republic of China and Japan.

4. LIKE ARTICLE

The applicant has claimed that there are no known differences in subject goods produced by the petitioner and exported from China PR and Japan. Both products have comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification, etc. The goods produced by the domestic industry are comparable to the imported goods from China PR and Japan in terms of essential product properties. The goods offered by the domestic industry are like article to the goods imported from China PR and Japan.

5. NORMAL VALUE

In terms of Para 8 in Annexure 1 to the Rules it is presumed that the producers of the subject goods in China PR are operating under non-market economy conditions. In view of the above non-market economy presumption and subject to rebuttal of the same by the responding exporters, normal value of the subject goods in China PR has been estimated in terms of Para 7 of Annexure 1 to the Rules. The Authority may however adopt an appropriate third country for the purpose of the above determination and notify the interested parties in due course.

In respect of Japan, however, the normal value for the subject goods has been estimated on the basis of best estimates of cost of production, including selling, general, administrative & finance expenses and reasonable profit.

6. EXPORT PRICE

Export price of the subject goods from the subject countries has been estimated by considering transaction-wise import data collected from Secondary Sources. Adjustments have been made on account of ocean freight, marine insurance, commission, and port expenses in the exporting country to arrive at ex-factory export price.

7. DUMPING MARGIN

Normal value and export price have been compared at ex-factory level, which shows significant dumping margin in respect of the subject countries. There is sufficient prima facie evidence that the normal value of the subject goods in China PR and Japan is significantly higher than the ex-factory export price, indicating, prima facie, that the subject goods are

being dumped into the Indian market by exporters from the subject countries. The dumping margins are estimated to be above *de minimis*.

8. INJURY AND CAUSAL LINK

The applicant has furnished information regarding volume and value of dumped imports from the subject countries and various parameters relating to material injury to the domestic industry, analysis of which shows that imports from China PR have significantly increased in absolute terms as also in relation to production and consumption in India whereas imports from Japan have marginally gone down. Various economic parameters relating to the domestic industry shows that loss in absolute term increased during the injury period and return on investment and cash flow declined over the injury period. Though, the production, sales & capacity utilization increased over the injury period, however, the same remains at very low level signifying, *prima facie*, that domestic industry has suffered material injury from dumped imports.

9. INITIATION OF ANTI DUMPING INVESTIGATIONS

In view of the above the Authority finds that sufficient *prima facie* evidence of dumping of the subject goods from the subject countries, injury to the domestic industry and causal link between the dumping and injury exist and therefore the Authority, in terms of Rule 5 of the Anti Dumping Rules hereby initiates an investigation into the alleged dumping and consequent injury to the domestic industry, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and recommend the amount of anti dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

10. PERIOD OF INVESTIGATION (POI)

The period of Investigation for the purpose of the present investigation is 1st April 2008 to 31st March 2009 (12 months). The injury investigation period will, however, cover the period 2007-08 and the POI, as the applicant has started commercial production in the year 2007-08 only.

11. SUBMISSION OF INFORMATION

The exporters in the subject country, Government through the Embassy, importers in India known to be concerned with this investigation and the domestic industry are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority at the following address:

The Designated Authority
Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties,
Ministry of Commerce & Industry,
Department of Commerce,
Government of India,
Room No. 250A, Udyog Bhavan,
New Delhi – 110011.

Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation within the time limit set out below.

12. **TIME LIMIT**

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than 40 (forty) days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately. If no information is received within the prescribed time limit or the submitted information is incomplete, the Designated Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules. It may be noted that no request, whatsoever, shall be entertained for extension in the prescribed time limit.

13. **SUBMISSION OF INFORMATION ON NON-CONFIDENTIAL BASIS**

In terms of Rule 6(7) of the Rules, the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summarization, a statement of reason thereof, is required to be provided. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Designated Authority may record findings on the basis of facts available and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

14. **INSPECTION OF PUBLIC FILE**

In terms of Rule 6(7), the Designated Authority maintains a public file. Any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by the interested parties.

R. GOPALAN, Designated Authority